भारत में मानसिक अक्षमता से जूझ रही महिलाएं और लड़कियां

हम कौन हैं?

हम ह्यूमन राइट्स वाच हैं।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि विश्व में सबके साथ उचित बर्ताव हो और उन्हें उनके अधिकार मिलें।

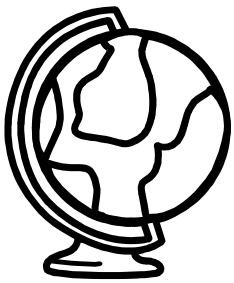

यह रिपोर्ट किस बारे में है?

यह रिपोर्ट भारत नाम के एक देश में अक्षमता से जूझ रही महिलाओं और लड़कियों के बारे में है।

जिन महिलाओं और लड़कियों से हमने मुलाकात की वे या तो बौद्धिक अक्षमता का शिकार थीं या उनकी मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकतायें थीं।

बौद्धिक अक्षमता का अर्थ है जब आपको रोज़मर्रा के काम करने या किसी जानकारी को समझने के लिए किसी की सहायता की जरूरत हो।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरत का अर्थ है जब आपको आप क्या सोचते हैं या क्या अनुभव करते हैं इसके लिए किसी की सहायता की जरूरत हो।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कठिनाई किसी को भी अधिकतर समय दुखी, नाराज़, उत्तेजित या चिंतित बनाए रख सकती है।

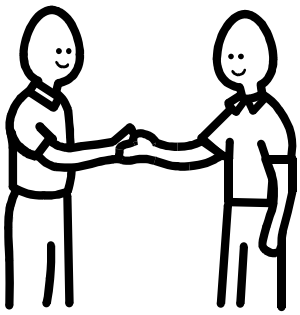

हमने इस बात पर नज़र डाली कि भारत में इस प्रकार की अक्षमताओं की शिकार महिलाओं और लड़कियों के साथ कैसा व्यवहार होता है।

हम कुछ अस्पतालों और विशिष्ट गृहों में गए।

हमने बहुत से लोगों से बात की:

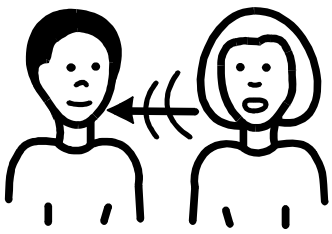

- अक्षमता से जूझ रही महिलाओं और लड़कियों से
- परिवार वालों और देखभाल करने वालों से
- कर्मचारियों से
- सरकारी और पुलिस से जुड़े लोगों से

भारत में इन अक्षमताओं की शिकार महिलाओं और लड़कियों के बारे में हमें क्या पता चला

इनमे से बहुत सी महिलाओं और लड़कियों को अन्य लोगों से दूर अस्पतालों या गृहों में रहना पड़ता है।

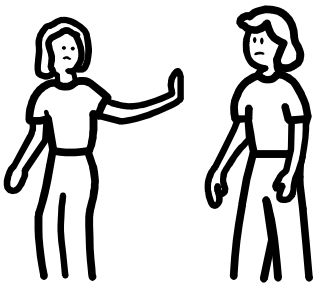

इसके कई कारण हो सकते हैं, उदहारण के तौर पर:

- लोग उन्हें इसलिए वहां भेज देते हैं क्योंकि वे सोचते हैं कि अक्षमता का होना बुरी बात है

- जहाँ लोग रहते हैं वहां आसपास बहुत सहायता उपलब्ध नहीं है

- पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं और कर्मचारी मौजूद नहीं हैं

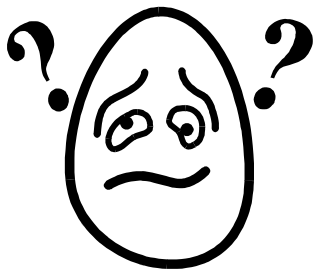

- लोगों को यह पता नहीं है कि उन्हें किस प्रकार की सहायता मिल सकती है

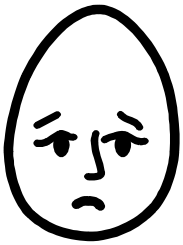

अधिकतर महिलाओं और लड़कियों के पास वहां रहने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं है।

ऐसे में दूसरे लोगे जैसे उनके परिवार वाले या अदालतें उनके बारे में तय करती हैं कि उन्हें वहाँ रहना चाहिए।

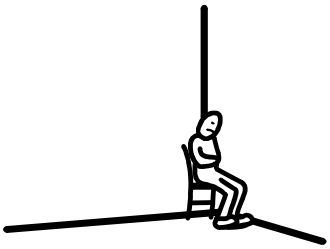

कुछ लोग ऐसे स्थानों में रहने को मजबूर हैं यद्यपि वे वहाँ नहीं रहना चाहते हैं या उन्हें वहाँ रहने की ज़रूरत भी नहीं है।

वे अपने शेष जीवन तक वहाँ रह सकते हैं।

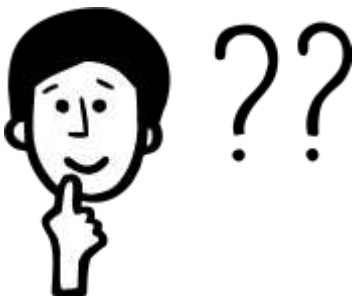

इन अस्पतालों और गृहों में ऐसी महिलाओं और लड़कियों के साथ क्या होता है?

ऐसे स्थानों में रह रही महिलाओं और लड़कियों को अपने फ़ैसले लेने की अनुमति नहीं होती है।

क़ानून कहता है कि यह बेहतर है कि दूसरे लोग उसके लिए फ़ैसले लें।

इन महिलाओं और लड़कियों के साथ अक्सर इन स्थानों में बुरा व्यवहार किया जाता है।

उदाहरण स्वरूप,

- ऐस स्थान प्रायः गंदे होते हैं और वहां बहुत सारे लोग होते हैं।

- ऐसा हो सकता है कि वहां साफ़-सुथरा रहने के पर्याप्त शौचालय, स्नानगृह या साबुन नहीं हों।

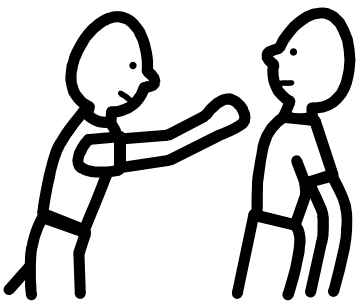

- लोग आहत हो सकते हैं या उन्हें ऐसे यौन कार्यों के लिए बाध्य किया जा सकता है जिन्हें वह करना नहीं चाहते हैं।

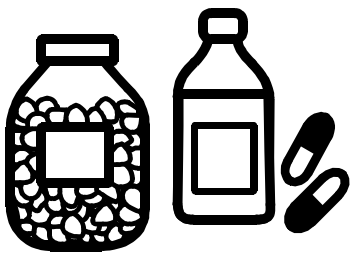

- लोगों को दवा या इलाज के लिए विवश किया जा सकता है। कभी-कभी वे यह भी नहीं जानते कि उनके साथ ऐसा हो रहा है।

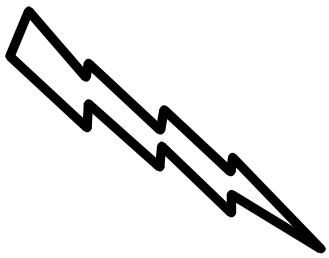

- लोगों को ऐसे इलाज के लिए विवश किया जा सकता है जिसमें उनके शरीर पर बिजली का प्रयोग किया जाता है।

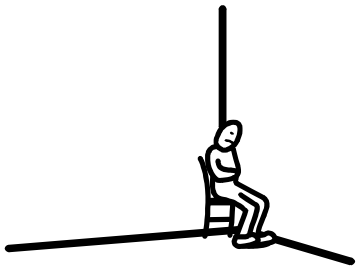

- वहां लोगों के लिए खाने या सोने के अतिरिक्त करने के लिए कुछ भी नहीं हो सकता है।

- लोगों को जिस देखभाल की ज़रूरत होती है उन्हें उनके बग़ैर छोड़ दिया जा सकता है।

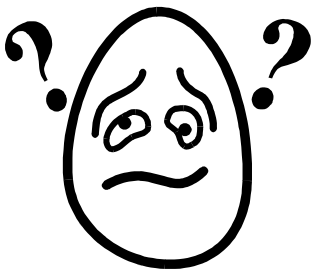

वहाँ रहने वाली अधिकतर महिलाओं और लड़कियों के साथ अगर बुरा व्यवहार होता है तो उन्हें यह पता नहीं होता कि उन्हें क्या करना है।

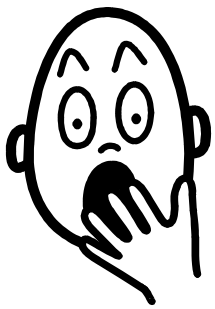

कई तो इतनी डरी होती हैं कि बता भी नहीं सकती।

भारत में सरकार इस बारे में क्या कर रही है?

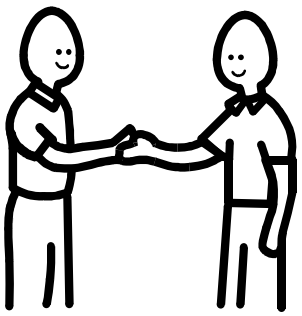

बहुत सारे देश इस बारे में सहमत हैं कि अक्षम लोगों के साथ निष्पक्ष व्यवहार और उनके अधिकारों को सुनिश्चित किया जाए।

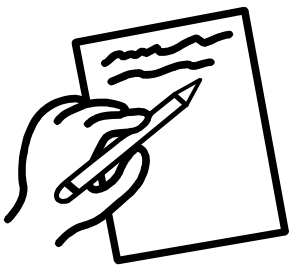

उन्होंने इस बारे में एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

भारत ने भी इस पर सहमति दी है।

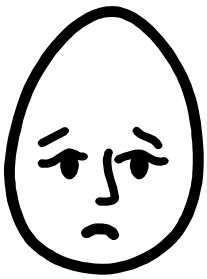

लेकिन भारत बौद्धिक अक्षमता या मानसिक स्वास्थ्य की ज़रूरतों वाली महिलाओं और लड़कियों के लिए कुछ नहीं कर रहा है।

उदाहरण स्वरूप,

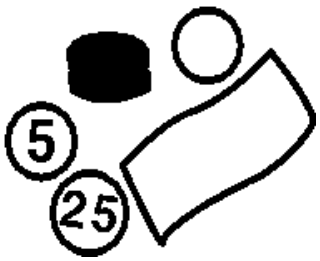

- सरकार देखभाल और सहायता पर पर्याप्त धन ख़र्च नहीं कर रही है।

- क़ानून लोगों को उनके अधिकार नहीं देता है।

- वहां इस बात पर कोई निगरानी नहीं है कि वास्तव में वहाँ लोगों की जो देखभाल हो रही है वह उचित है।

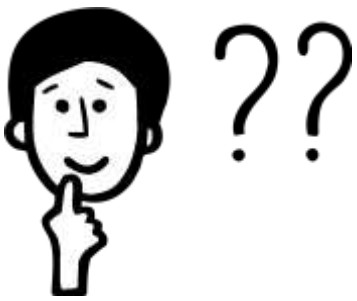

- लोगों को अपने फ़ैसले लेने की अनुमति नहीं है।

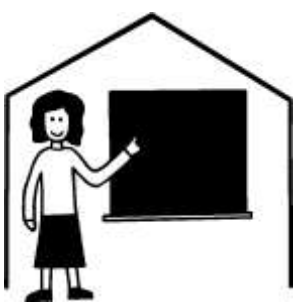

- इन लोगों को अन्य लोगों के समान शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल या अवसर नहीं मिलते हैं।

इन अक्षमता वाली महिलाओं और लड़कियों के लिए भारत सरकार को क्या करना चाहिए

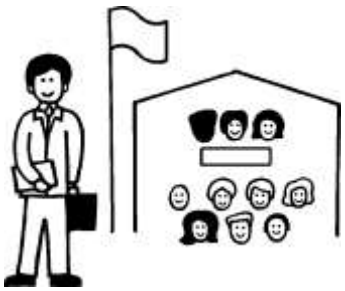

भारत की केंद्रीय सरकार या राज्य सरकारों को चाहिए कि वह:

1. उन स्थानों के बारे में कुछ नए नियम बनाए जहाँ ऐसे लोग रहते हैं। उदाहरण स्वरूप यह सुनिश्चित करने के लिए कि:

- वे स्थान साफ़-सुथरे, सुरक्षित और रहने के लिए अच्छे हैं

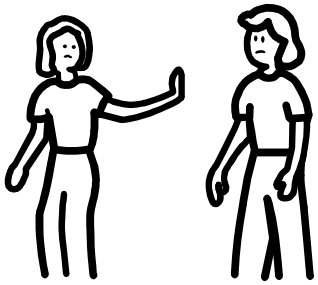

- इन स्थानों में ऐसे लोगों को रहने के लिए मजबूर या इलाज के लिए विवश तो नहीं किया जा रहा है

- इलाज के फ़ॉर्म समझने में आसान हैं
- बुरी देखभाल के बारे में शिकायत करने के लिए आसान तरीके हैं

भारत में सरकार को क्या करना चाहिए

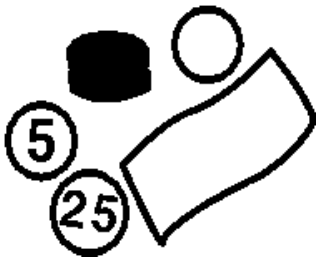

2. यह सुनिश्चित करें कि स्वास्थ्य देखभाल और सेवाओं के लिए पर्याप्त धन है।

3. यह सुनिश्चित करें कि उन देखभाल वाले स्थानों की यह देखने के लिए जाँच हो कि वे अच्छे और सुरक्षित हैं।

अन्य समूहों को भी इन स्थानों की जांच करते रहना चाहिए।

उदाहरण स्वरूप, ऐसे समूह जो यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि लोगों को उनका अधिकार मिले।

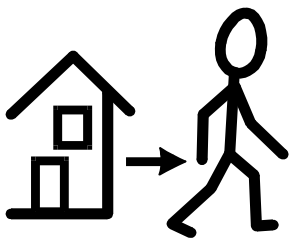

4. लोगों को बेहतर स्थानों पर स्थानांतरित करने के लिए योजना बनाए।

इस बात को सुनिश्चित करें कि अक्षम और अन्य लोगों की बातें भी इस योजना में शामिल की जाएं।

भारत में सरकार को क्या करना चाहिए

5. यह सुनिश्चित करें कि लोगों को जहां वे रहते हैं उसी के आसपास उन्हें उनकी ज़रूरी देखभाल और सहायता मिल सके।

इसका अर्थ यह है कि फिर उन्हें अस्पतालों या गृहों में रहने की ज़रूरत नहीं होगी।

6. अक्षमता और मानसिक स्वास्थ्य के नए कानूनों को बदले।

उदाहरण स्वरूप, यह सुनिश्चित करें कि:

- क़ानून बौद्धिक अक्षमता वाली या मानसिक स्वास्थ्य की ज़रुरततों वाली महिलाओं और लड़कियों को उनके आधिकार देते हैं

- लोग अपने फ़ैसले ख़ुद ले सकें, चाहे किसी की मदद से ही लें

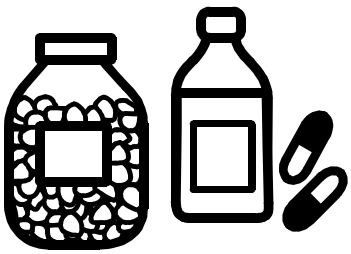

- जिस इलाज के लिए वह तैयार नहीं हों उन्हें उसके लिए विवश न किया जाए

भारत में सरकार को क्या करना चाहिए

7. यह सुनिश्चित करें कि नए मानसिक स्वास्थ्य क़ानून में मानसिक स्वास्थ्य की ज़रुरतों वाले लोगों की बात शामिल हो।

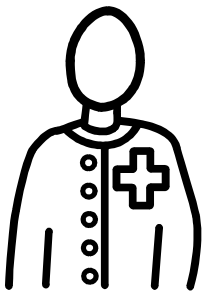

अन्य चीज़ें

दूसरे देश भारत की यह सुनिश्चित करने में सहायता करें कि भारत वो कार्य करे जिस पर उसने सहमति व्यक्त की है।

वे इस बात को सुनिश्चित करने के लिए धन और प्रशिक्षण की मदद भी दे सकते हैं ताकि लोगों को उनका आधिकार मिले।